CBSE Class 11 Economics Important Questions Chapter 8 आधारिक संरचना

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
GDB (जी.डी.बी.) का पूरा नाम बताओ।
उत्तर:
GDB का तात्पर्य 'विश्व रोग भार' से है।

प्रश्न 2.
भारत में औद्योगिक दृष्टि से सम्पन्न किन्हीं दो राज्यों का नाम बताइए।
उत्तर:

1. गुजरात
2. महाराष्ट्र।

प्रश्न 3.
भारत में आधारिक संरचना के विकास हेतु कोई एक सुझाव दीजिए।
उत्तर:
देश में आधारिक संरचना के विकास हेतु निवेश में वृद्धि करनी होगी।

प्रश्न 4.
ऊर्जा के गैर व्यावसायिक स्रोतों की एक विशेषता बताइए।
उत्तर:
ऊर्जा के गैर व्यावसायिक स्रोतों का पुनर्नवीनीकरण हो सकता है।

प्रश्न 5.
उष्ण प्रदेश होने के कारण भारत में किस
उत्तर:
उष्ण प्रदेश होने के कारण भारत में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा एवं ज्वार ऊर्जा उत्पादन की असीमित संभावनाएँ।

प्रश्न 6.
जीवाश्म ईंधन का कोई एक दोष बताइए।
उत्तर:
जीवाश्म ईंधन से कार्बन उत्सर्जन होता है।

प्रश्न 7.
भारत में आधारिक संरचना पर सकल घरेलू क उत्पाद का कितना प्रतिशत व्यय किया जाता है?
उत्तर:

लगभग 34 प्रतिशत।

प्रश्न 8.
आधारिक संरचना को कितने भागों में विभाजित किया जा सकता है?
उत्तर:
आधारिक संरचना को दो भागों में विभाजित अ किया जा सकता है-आर्थिक आधारिक संरचना तथा सामाजिक आधारिक संरचना।

प्रश्न 9.
आर्थिक आधारिक संरचना में शामिल किन्हीं दो मदों के नाम लिखिए।
उत्तर:

1. ऊर्जा
2. परिवहन।

प्रश्न 10.
सामाजिक आधारिक संरचना में शामिल कोई दो मदों का नाम लिखिए।
उत्तर:

1. शिक्षा
2. स्वास्थ्य ।

प्रश्न 11.
आधारिक संरचना विकास का कोई एक महत्त्व बताइए।
उत्तर:
आधारिक संरचना विकास से देश के कृषि एवं औद्योगिक क्षेत्र का विकास होता है।

प्रश्न 12.
भारत स्वास्थ्य पर सकल घरेलू उत्पाद का कितने प्रतिशत व्यय करता है?
उत्तर:
भारत स्वास्थ्य पर सकल घरेलू उत्पाद का. लगभग 4.7 प्रतिशत व्यय करता है।

प्रश्न 13.
कोई अर्थव्यवस्था जैसे-जैसे विकसित होती जाती है, किस क्षेत्रक की हिस्सेदारी कम होती जाती है?
उत्तर:
किसी अर्थव्यवस्था में विकास के साथ-साथ कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी कम होती चली जाती है।

प्रश्न 14.
ऊर्जा के किन्हीं दो व्यावसायिक स्रोतों के नाम लिखिए।
उत्तर:

1. कोयला
2. पैट्रोल।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 15.
ऊर्जा के किन्हीं दो गैर-व्यावसायिक स्रोतों के नाम लिखिए।
उत्तर:

1. जलाऊ लकड़ी
2. कृषि का कूड़ाकचरा।

प्रश्न 16.
ऊर्जा के पारम्परिक स्रोत कौनसे हैं?
उत्तर:
ऊर्जा के व्यावसायिक एवं गैर-व्यावसायिक स्रोत ही ऊर्जा के पारम्परिक स्रोत हैं।

प्रश्न 17.
भारत में विद्युत क्षेत्र की कोई दो समस्याएँ बताइए।
उत्तर:

1. अपर्याप्त विद्युत उत्पादन क्षमता
2. विद्युत की क्षति की समस्या।

प्रश्न 18.
भारत में विद्युत क्षेत्र की समस्या के समाधान हेतु एक सुझाव दीजिए।
उत्तर:
हमें विद्युत बोर्डों की कार्यकुशलता में वृद्धि करनी चाहिए।

प्रश्न 19.
ऊर्जा के कोई दो गैर-परम्परागत स्रोतों के नाम बताइए।
उत्तर:

1. सौर ऊर्जा,
2. पवन ऊर्जा।

प्रश्न 20.
भारत में व्यावसायिक ऊर्जा का सर्वाधिक अंश किस स्रोत द्वारा पूरा किया जाता है?
उत्तर:
भारत में व्यावसायिक ऊर्जा का सर्वाधिक अंश कोयले द्वारा पूरा होता है।

प्रश्न 21.
भारत में व्यावसायिक ऊर्जा का सर्वाधिक अंश किस क्षेत्र में उपभोग किया जाता है?
उत्तर:
भारत में व्यावसायिक ऊर्जा का सर्वाधिक अंश उद्योग क्षेत्र में उपभोग किया जाता है।

प्रश्न 22.
भारत में ऊर्जा उत्पादन में परमाणु ऊर्जा का अंश कम होने का कोई एक कारण बताइए।

उत्तर:
परमाणु ऊर्जा उत्पादन की लागत काफी ऊँची आती है।

प्रश्न 23.
स्वास्थ्य आधारिक संरचना के कोई दो घटक बताइए।
उत्तर:

1. अस्पताल
2. चिकित्सक।

प्रश्न 24.
देश में स्वास्थ्य आधारिक संरचना की कोई एक कमी बताइए।
उत्तर:
देश में मांग को देखते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं की काफी कमी है।

प्रश्न 25.
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड ब्यूरो साइंस कहाँ स्थित है?
उत्तर:
बंगलौर।

प्रश्न 26.
ऑल इण्डिया इंस्टीट्यूट ऑफ हाइजीन एंड पब्लिक हेल्थ कहाँ स्थित है?
उत्तर:
कोलकाता।

प्रश्न 27.
भारत में कुल विद्युत उत्पादन में सर्वाधिक उत्पादन किस स्रोत द्वारा किया जाता है?
उत्तर:
भारत में कुल विद्युत उत्पादन का सर्वाधिक अंश तापीय स्रोत द्वारा उत्पादित किया जाता है।

प्रश्न 28.
भारत में विद्युत क्षेत्र के सम्मुख कोई एक चुनौती बताइए।
उत्तर:
भारत में विद्युत की माँग बहुत अधिक है जबकि विद्युत उत्पादन क्षमता काफी कम है।

प्रश्न 29.
लोगों के स्वास्थ्य को निर्धारित करने वाले किन्हीं दो सूचकों के नाम लिखिए।
उत्तर:

1. शिशु मृत्यु-दर तथा मातृत्व मृत्यु-दर
2. जीवन प्रत्याशा।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 30.
भारतीय चिकित्सा प्रणाली की प्रमुख व्यवस्थाएं कौन-कौनसी हैं?
उत्तर:
भारतीय चिकित्सा प्रणाली में 6 व्यवस्थाएंआयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध, प्राकृतिक चिकित्सा और होम्योपैथी हैं।

प्रश्न 31.
भारत में स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार हेतु: कोई एक सुझाव दीजिए।
उत्तर:
भारत में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में तीव्र विस्तार: किया जाना चाहिए।

प्रश्न 32.
ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य आधारिक संरचना - की कोई दो कमियाँ बताइए।
उत्तर:

1. अस्पतालों की कमी
2. जाँच सुविधाओं का अभाव।

लघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
आधारिक संरचना में मुख्य रूप से किनकिन सेवाओं को शामिल करते हैं?
उत्तर:
देश की आधारिक संरचना में कई आर्थिक एवं सामाजिक सेवाओं को सम्मिलित किया जाता है। इन सेवाओं में सड़क, रेल, बन्दरगाह, हवाई अड्डे, बांध, बिजली घर, तेल व गैस, पाइपलाइन, दूरसंचार सुविधाएँ, स्कूल-कॉलेज सहित देश की शैक्षिक व्यवस्था, अस्पताल व स्वास्थ्य व्यवस्था, सफाई, पेयजल, बैंक, बीमा एवं अन्य वित्तीय संस्थाएं तथा मुद्रा प्रणाली को शामिल किया जाता है।

प्रश्न 2.
ऊर्जा के व्यावसायिक एवं गैर-व्यावसायिक स्रोतों में उदाहरण सहित अन्तर स्पष्ट
कीजिए।
अथवा
ऊर्जा के व्यावसायिक एवं गैर व्यावसायिक स्रोतों में तीन अन्तर बताइये।
उत्तर:

1. ऊर्जा के व्यावसायिक स्रोतों का उपयोग व्यावसायिक स्तर पर किया जाता है जबकि गैर-व्यावसायिक स्रोतों का उपयोग घरेलू स्तर पर किया जाता है।
2. ऊर्जा के व्यावसायिक स्रोतों का पुनर्नवीनीकरण नहीं किया जा सकता है जबकि गैर-व्यावसायिक स्रोतों का पुनर्नवीनीकरण संभव है।
3. ऊर्जा के व्यावसायिक स्रोतों में कोयला, पेट्रोल तथा बिजली को सम्मिलित किया जाता है जबकि गैर व्यावसायिक स्रोतों में जलाऊ लकड़ी, कृषि का कूड़ाकचरा, सूखा गोबर आदि सम्मिलित किया जाता है।

प्रश्न 3.
भारतीय अर्थव्यवस्था में ऊर्जा के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में ऊर्जा का महत्त्वपूर्ण स्थान है। देश में उद्योगों के विकास में ऊर्जा अनिवार्य है क्योंकि बिना ऊर्जा औद्योगिक उत्पादन सम्भव नहीं तथा आधुनिक तकनीकों के कारण ऊर्जा का उपयोग निरन्तर बढ़ता जा रहा है। कृषि क्षेत्र का विकास भी ऊर्जा पर निर्भर करता है क्योंकि कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में खाद, कीटनाशक, कृषि उपकरणों के उत्पादन तथा परिवहन सुविधाओं में ऊर्जा का ही उपयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त घरेलू उपयोग में भी ऊर्जा का भारी उपभोग किया जाता है। वर्तमान में वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन ऊर्जा के बिना सम्भव नहीं है।

प्रश्न 4.
भारत में व्यावसायिक ऊर्जा की उपभोग पद्धति पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
भारत में वर्तमान में ऊर्जा के कुल उपयोग का 74 प्रतिशत व्यावसायिक ऊर्जा के द्वारा पूरा किया जाता है तथा 26 प्रतिशत ऊर्जा का उपभोग गैर-व्यावसायिक ऊर्जा के द्वारा पूरा किया जाता है। भारत में व्यावसायिक ऊर्जा के क अन्तर्गत 54 प्रतिशत अंश कोयले के द्वारा पूरा किया जाता है। इसके अतिरिक्त 32 प्रतिशत अंश तेल द्वारा, 10 प्रतिशत - अंश प्राकृतिक गैस के द्वारा तथा 2 प्रतिशत अंश जल ऊर्जा र द्वारा पूरा किया जाता है।

प्रश्न 5.
भारत में ऊर्जा के गैर - पारम्परिक स्रोतों को 5, स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भारत में व्यावसायिक तथा गैर - व्यावसायिक ऊर्जा स्रोतों को परम्परागत ऊर्जा स्रोतों में शामिल किया जाता है। इसके अतिरिक्त ऊर्जा के स्रोतों को गैर - परम्परागत ऊर्जा स्रोतों में शामिल किया जाता है। भारत में ऊर्जा के तीन प्रमुख गैर - परम्परागत स्रोत हैं, ये हैं - सौर ऊर्जा, पवन नों ऊर्जा तथा ज्वार ऊर्जा। भारतीय अर्थव्यवस्था एक उष्ण अर्थव्यवस्था है अत: भारत में गैर-परम्परागत ऊर्जा उत्पादन ग की काफी अधिक सम्भावनाएं हैं।

प्रश्न 6.
भारत में ऊर्जा उत्पादन के विभिन्न स्रोतों को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भारत में विभिन्न स्रोतों द्वारा ऊर्जा का उत्पादन का किया जाता है। भारत में वर्ष 2016 में कुल ऊर्जा उत्पादन का लगभग 67 प्रतिशत भाग तापीय स्रोतों द्वारा उत्पादित ल किया गया। भारत में बिजली उत्पादन के अन्य स्रोत जल -तथा वायु एवं परमाणु हैं। 2016 में जल स्रोतों का अंश 13.60 प्रतिशत, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का अंश 17.30 प्रतिशत तथा परमाणु स्रोतों का अंश 2.10 प्रतिशत रहा। देश की ऊर्जा नीति में जल तथा वायु स्रोतों को काफी प्रोत्साहन दिया गया है क्योंकि इन स्रोतों से कार्बन उत्सर्जन नहीं होता है। इसके अतिरिक्त परमाणु ऊर्जा से भी पर्यावरण सम्बन्धी फायदा होता है। अतः भारत में अनेक स्रोतों से ऊर्जा का उत्पादन किया जाता है।

प्रश्न 7.
स्वास्थ्य का देश के आर्थिक विकास में क्या महत्त्व है?
उत्तर:
स्वास्थ्य एक महत्त्वपूर्ण आधारभूत संरचना है। स्वास्थ्य का तात्पर्य केवल बीमारियों के न होने से ही नहीं है बल्कि

https://www.evidyarthi.in/

लोगों की कार्यक्षमता प्राप्त करने की योग्यता से है। किसी भी देश के आर्थिक विकास में स्वास्थ्य सुविधाओं का महत्त्वपूर्ण योगदान रहता है। यदि देश में अधिक स्वास्थ्य सुविधाएँ होंगी तो लोग अधिक स्वस्थ रहेंगे तथा वे अधिक कुशल एवं उत्पादक होंगे। इससे देश के उत्पादन में वृद्धि होगी तथा देश के आर्थिक विकास में सहायता मिलेगी।

प्रश्न 8.
सामाजिक तथा आर्थिक आधारिक संरचना की पारस्परिक निर्भरता को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
सामाजिक तथा आर्थिक आधारिक संरचना परस्पर एक-दूसरे पर निर्भर हैं, इसमें एक के बिना दूसरे का विकास सम्भव नहीं है। किसी भी देश का आर्थिक विकास तथा आर्थिक आधारिक संरचना का विकास शिक्षा, स्वास्थ्य आदि पर निर्भर करता है। यदि देश की जनसंख्या स्वस्थ एवं शिक्षित है तो वह आर्थिक आधारित संरचना के विकास में अधिक योगदान देगी। इसी प्रकार देश की सामाजिक आधारिक संरचना जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएँ आदि के विकास हेतु देश की आर्थिक आधारिक संरचना सुदृढ़ होनी चाहिए। अत: सामाजिक तथा आर्थिक आधारिक संरचना एक-दूसरे पर निर्भर हैं।

प्रश्न 9.
किसी अर्थव्यवस्था में आधारिक संरचना की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
किसी भी अर्थव्यवस्था की कार्यकुशलता एवं उसका विकास देश की आधारिक संरचना पर निर्भर करता है। देश की कृषि भी आधुनिक आगतों की उपलब्धता एवं परिवहन व्यवस्था पर निर्भर करती है। वर्तमान में कृषि में बैंकिंग एवं बीमा सुविधाओं का भी विशेष महत्त्व है। आधारिक संरचना देश में उत्पादन के तत्वों की उत्पादकता में वृद्धि करती है तथा लोगों के जीवन-स्तर की गुणवत्ता में सुधार करती है। देश में लोगों के स्वास्थ्य हेतु स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था सुदृढ़ होनी चाहिए। औद्योगिक विकास में भी आधारिक संरचना का महत्त्वपूर्ण योगदान है।

प्रश्न 10.
भारत में विद्युत क्षेत्रक की प्रमुख चुनौतियों को स्पष्ट कीजिए।
अथवा
भारत में विद्युत क्षेत्र की प्रमुख समस्याएँ क्या हैं?
उत्तर:
भारत में विद्युत क्षेत्रक के सम्मुख अनेक चुनौतियाँ हैं। भारत में विद्युत का कुशलता से उपयोग नहीं किया जाता है। भारत की वर्तमान विद्युत उत्पादन क्षमता देश के आर्थिक विकास एवं संवृद्धि हेतु अपर्याप्त है। राज्य विद्युत बोर्ड जो विद्युत वितरित करते हैं उसमें काफी हानि होती है। विद्युत के क्षेत्र में निजी क्षेत्रक की भूमिका बहुत कम है। भारत में विभिन्न भागों में बिजली की ऊँची दरें तथा लम्बे समय तक बिजली की कटौती से लोगों में काफी असन्तोष है। देश में ऊर्जा की माँग में भी तीव्र गति से वृद्धि हो रही है तथा माँग पूर्ति से बहुत अधिक है।

प्रश्न 11.
व्यावसायिक ऊर्जा के क्षेत्रवार उपभोग की स्थिति को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भारत में व्यावसायिक ऊर्जा का उपभोग परिवार, कृषि, उद्योग, परिवहन तथा अन्य क्षेत्रों में किया जाता है। व्यावसायिक ऊर्जा के क्षेत्रवार उपभोग को निम्न तालिका द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है।

प्रश्न 12.
क्या भारत में स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् में विभिन्न क्षेत्रकों में ऊर्जा के उपभोग में परिवर्तन आया कृषि
उत्तर:
यह सत्य है कि भारत में स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् विभिन्न क्षेत्रों में व्यावसायिक ऊर्जा के उपभोग में न्य परिवर्तन आया है। भारत में कृषि क्षेत्र में व्यावसायिक ऊर्जा के उपभोग में वृद्धि हुई है। वर्ष 1953-54 में केवल 1 प्रतिशत व्यावसायिक ऊर्जा का उपभोग कृषि क्षेत्र में किया जाता था वह बढ़कर वर्ष 2014-15 में 18 प्रतिशत हो गया। देश में परिवहन क्षेत्र में ऊर्जा के उपभोग में काफी कमी आई है, वर्ष 1953-54 में 44 प्रतिशत व्यावसायिक ऊर्जा का उपभोग परिवहन क्षेत्र में किया जाता था वह कम होकर 2014-15 में 02 प्रतिशत हो गया। देश में उद्योग एवं परिवार क्षेत्र में व्यावसायिक ऊर्जा का उपभोग लगभग स्थिर रहा है। वर्ष 1953-54 में 40 प्रतिशत ऊर्जा का उपभोग उद्योग क्षेत्र में किया जाता था वह वर्ष 2014-15 में 44 प्रतिशत के स्तर पर रहा।

प्रश्न 13.
भारत में विद्युत क्षेत्र की किन्हीं दो समस्याओं का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:

1. बिजली की ऊँची दरें: देश में विद्युत क्षेत्र की यह प्रमुख समस्या है कि विद्युत उत्पादन की लागत अधिक आने से बिजली की दरें काफी ऊंची हैं तथा लोगों को पर्याप्त बिजली भी नहीं मिल पाती है।।
2. कच्चे माल की कमी: देश में विद्युत क्षेत्र के सम्मुख यह समस्या भी है कि विद्युत उत्पादन हेतु पर्याप्त मात्रा में कच्चा माल नहीं मिलता है। भारत के थर्मल पावर स्टेशन जो कि भारत के बिजली क्षेत्र के आधार हैं उन्हें कच्चे माल एवं कोयले की कम पूर्ति की समस्या का सामना करना पड़ता है।

प्रश्न 14.
भारत में जनता की स्वास्थ्य सम्बन्धी किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:

1. देश में योजनागत विकास के फलस्वरूप अस्पतालों, दवाखानों, स्वास्थ्य केन्द्रों, चिकित्सकों, नर्सिंगकर्मियों आदि की संख्या में वृद्धि हुई है किन्तु ये अभी भी अपर्याप्त हैं।
2. चिकित्सा सुविधाओं में वृद्धि के फलस्वरूप देश में विभिन्न स्वास्थ्य सूचकों जैसे शिशु मृत्यु-दर, मृत्यु-दर, जीवन प्रत्याशा आदि में सुधार हुआ है किन्तु अभी भी ये सूचक अन्य देशों की तुलना में ऊँचे हैं।
3. देश में वर्तमान में 20 प्रतिशत से भी कम जनसंख्या जन स्वास्थ्य सुविधाओं का उपभोग कर रही है जो बहुत कम है।

प्रश्न 15.
भारत में स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली की किन्हीं तीन कमियों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:

1. देश में अभी भी निजी क्षेत्र में कई फर्जी चिकित्सक कार्य कर रहे हैं जिनका पंजीयन भी नहीं हुआ है।
2. भारत में चिकित्सा पर किया जाने वाला व्यय बहुत कम है। देश में स्वास्थ्य पर किया गया व्यय कुल सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 4.7 प्रतिशत है जो बहुत कम
3. देश में केवल 20 प्रतिशत जनसंख्या को ही जन-स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो पा रही हैं तथा मात्र 38 प्रतिशत प्राथमिक चिकित्सा केन्द्रों में ही डॉक्टरों की वांछित संख्या उपलब्ध है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 16.
सार्वजनिक स्वास्थ्य से आप क्या समझते
उत्तर:
सार्वजनिक स्वास्थ्य का तात्पर्य सरकारी क्षेत्रक अथवा सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई जाने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं से है। इसके अन्तर्गत सरकार, स्वास्थ्य आधारिक संरचना जैसे अस्पताल, डॉक्टर, नर्सिंग कर्मचारी, चिकित्सा उपकरण, दवाइयों, जाँच सुविधाओं इत्यादि का विकास एवं विस्तार करती है। सरकार पर यह संवैधानिक जिम्मेदारी है कि वह स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन में मिलावट, दवाइयाँ तथा जहरीले पदार्थ, चिकित्सा व्यवसाय, जन्म-मृत्यु सम्बन्धी आँकडे. मानसिक अक्षमता जैसे मुद्दों को निर्देशित एवं नियन्त्रित करे। यह सभी सार्वजनिक स्वास्थ्य के अन्तर्गत आता है।

प्रश्न 17.
क्या भारत में स्वास्थ्य आधारिक संरचना पर निजी क्षेत्र का वर्चस्व है?
उत्तर:
हाँ, यह सत्य है कि भारत में स्वास्थ्य आधारिक संरचना पर निजी क्षेत्र का वर्चस्व है। वर्तमान में भारत में लगभग 70 प्रतिशत से अधिक अस्पतालों का संचालन निजी क्षेत्र में ही किया जा रहा है तथा लगभग 60 प्रतिशत दवाखाने निजी क्षेत्र के उद्यमियों के द्वारा चलाए जा रहे हैं। देश में उपलब्ध बिस्तरों का लगभग 2/5 भाग निजी क्षेत्र के अस्पतालों में है। भारत में लगभग 80 प्रतिशत बहिर्रोगियों - तथा लगभग 46 प्रतिशत अंतः रोगियों का उपचार निजी क्षेत्र के अस्पतालों में किया जाता है। अत: उपर्युक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि भारत में स्वास्थ्य आधारिक संरचना में निजी क्षेत्र का वर्चस्व है।

प्रश्न 18.
भारत में ऊर्जा संकट को कम करने हेतु न कोई तीन सुझाव दीजिए।
उत्तर:

1. सरकार को गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को प्रोत्साहित करना चाहिए।
2. विद्युत क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि वित्त की कमी को पूरा किया जा सके।
3. ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही बिजली की चोरी को रोकने हेतु कठोर कदम उठाने चाहिए।

प्रश्न 19.
भारत में स्वास्थ्य आधारिक संरचना के विकास हेतु कोई तीन सुझाव दीजिए।
उत्तर:

1. देश में स्वास्थ्य पर सार्वजनिक व्यय बहुत कम किया जाता है, इसमें वृद्धि की जानी चाहिए।
2. ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों एवं दवाखानों की स्थापना की जानी चाहिए एवं पर्याप्त चिकित्सकों की नियुक्ति की जानी चाहिए।
3. लोगों को स्वास्थ्य एवं सफाई के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए।

प्रश्न 20.
भारत में ऊर्जा के गैर परम्परागत स्रोतों के कोई तीन लाभ बताइए।
उत्तर:

1. गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा आदि आते हैं जिनसे ऊर्जा प्राप्त करने पर पर्यावरण को कोई हानि नहीं पहुँचती।

2. उष्ण प्रदेश होने के कारण हमारे देश में गैर परम्परागत ऊर्जा की असीमित संभावना है।
3. इन स्रोतों से असीमित ऊर्जा प्राप्त की जा सकती| है जिससे ऊर्जा संकट को दूर किया जा सकता है।

प्रश्न 21.
भारत में स्वास्थ्य आधारिक संरचना के प्राथमिक स्तर व्यवस्था का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:
भारत में स्वास्थ्य आधारिक संरचना तथा स्वास्थ्य सुविधाओं की तीन स्तरीय व्यवस्था है प्राथमिक, द्वितीयक तथा तृतीयक। देश में प्राथमिक स्तर सुविधाओं में प्रचलित स्वास्थ्य समस्याओं का ज्ञान तथा उन्हें पहचानने, रोकने तथा नियन्त्रित करने की विधि, खाद्य पूर्ति तथा उचित पोषण, जल की पर्याप्त पूर्ति तथा मूलभूत स्वच्छता, शिशु एवं मातृत्व देखभाल, प्रमुख संक्रामक बीमारियों और चोटों से प्रतिरोध, मानसिक स्वास्थ्य का संवर्धन और आवश्यक दवाओं का प्रावधान शामिल हैं। देश में प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने हेतु गाँवों एवं छोटे कस्बों में छोटे अस्पताल बनाए जाते हैं, जिन्हें प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र, सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र तथा उपकेन्द्रों के नाम से जाना जाता है।

https://www.evidyarthi.in/